Toppersnotes®
Unleash the topper in you

BPSC

Assistant Prosecution Officer (APO)

Bihar Public Service Commission (BPSC)

Volume - 6

General Hindi & English

SIERRA INNOVATIONS

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
1	वर्ण विचार	1
2	विलोम शब्द	5
3	वर्तनी शुद्धि	11
4	संज्ञा	24
5	सर्वनाम	26
6	विशेषण	27
7	क्रिया	28
8	पर्यायवाची	35
9	काल	37
10	वाच्य	39
11	कारक	41
12	विराम चिन्ह	44
13	संधि	47
14	समास	63
15	उपसर्ग	69
16	प्रत्यय	78
17	अव्यय– अविकारी शब्द	86
18	निबंध लेखन	89
19	पारिभाषिक शब्दावली	90
20	वाक्य विचार	96
21	वाक्य रचना	103
22	Noun	107
23	Pronoun	115

विषयसूची

S No.	Chapter Title	Page No.
24	Adjective	120
25	Adverbs	126
26	Verbs	132
27	Conjunction	140
28	Preposition	145
29	Articles	150
30	Tense	154
31	Voices	160
32	Narration	166
33	Precis Writing	173
34	Essay	187
35	Letter Writing	206

1 CHAPTER

वर्ण विचार

भाषा – परस्पर विचार विनियम को भाषा कहते हैं ।

- भाषा संस्कृत के भाष् शब्द से बना है । भाष् का अर्थ है बोलना।
- भाषा की सार्थक इकाई वाक्य है । वाक्य से छोटी इकाई उपवाक्य, उपवाक्य से छोटी इकाई पदबंध, पदबंध से छोटी इकाई पद (शब्द), पद से छोटी इकाई अक्षर व अक्षर से छोटी इकाई ध्वनि या वर्ण है।
- जैसे – हम शब्द में दो अक्षर (हम) एवं चार वर्ण (ह अ म् अ) है ।

लिपि –किसी भाषा को लिखनें का ढंग लिपि कहलाता है। हिन्दी भाषा की लिपि देवनागरी है । इसकी निम्न विषेशताएँ है ।

(i) यह बाएँ से दायें लिखी जाती है ।
(ii) प्रत्येक वर्ण का एक ही रूप होता है ।
(iii) उच्चारण के अनुरूप लिखी जाती है अर्थात् जैसे बोली जाती है, वैसी लिखी जाती है ।

व्याकरण – जिस शास्त्र में शब्दों के शुद्ध रूप एवं प्रयोग के नियमों का निरूपण होता है, उसे व्याकरण कहते है ।

वर्ण – हिंदी भाषा में वर्ण वह मूल ध्वनि है जिसका विभाजन नहीं हो सकता।

किसी भी भाषा की सबसे छोटी इकाई (ध्वनि) वर्ण कहलाती है।

जैसे :– क्, च्, ट् अ, इ, उ

वर्ण के भेद :– 2 प्रकार है।

(i) स्वर वर्ण (ii) व्यंजन वर्ण

स्वर वर्ण :– स्वतंत्र रूप से बोले जाने वाले वर्ण स्वर कहलाते है। हिन्दी वर्णमाला में कुल ग्यारह (11) स्वर ध्वनियाँ शामिल की गयी है ।

जैसे – अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ऋ, ए, ऐ, ओ, औ

स्वरो का वर्गीकरण :– मुख्यतः 5 आधार पर वर्गीकरण किया गया है।

1. मात्राकाल के आधार पर – 3 प्रकार है ।

(i) ह्रस्व स्वर – वे स्वर जिनके उच्चारण मे कम समय लगता है हस्व स्वर कहलाते है।

जैसे – अ, इ, उ, ऋ (कुल संख्या – 4)

नोट :– (इनको एकमात्रिक स्वर, मूल स्वर भी कहते है)

(ii) दीर्घ स्वर – वे स्वर जिनके उच्चारण मे मुल स्वर से अधिक समय/ दुगुना समय लगता है। वे दीर्घ स्वर कहलाते है। आ, ई, ऊ, ए, ऐ, ओ, औ, (कुल संख्या –7)

(iii) प्लुत स्वर – जिनके उच्चारण में तीन मात्राओ का समय लगता है । स्वर के प्लुत रूप को दर्शाने के लिए उनके साथ 3 का चिह्न लगाया जाता है ।

जैसे – अ^3, आ^3, इ^3, ई^3, उ^3, ऊ^3, ए^3, ऐ^3, ओ^3, औ^3,

(2) उच्चारण के आधार पर :– (2 प्रकार है)

(i) अनुनासिक स्वर – स्वर का उच्चारण करने पर वायु मुख व नाक दोनो से बाहर निकलती है ।

नोट – अनुनासिक रूप को दर्शाने के लिए चन्द्रबिंदु का प्रयोग होता है ।

जैसे – अँ आँ इँ ईं उँ ऊँ एँ, ऐं ओं औं

(ii) अननुनासिक/निरनुनासिक स्वर – जब किसी स्वर का उच्चारण करनें पर श्वास वायु केवल मुख से ही बाहर निकलती है । वह अननुनासिक/ निरनुनासिक स्वर कहलाता है।

बिना चन्द्रबिन्दू के अपने मूल रूप में लिखे हुए स्वर अनुनासिक माने जाते है ।

जैसे – अ, आ, इ, ई, उ, ऊ, ए, ए, ऐ, ओ, औ,

(3) जिह्वा के आधार पर – (3 प्रकार है)

(i) अग्र स्वर :– उच्चारण करने पर जीभ के आगे वाले भाग मे सर्वाधिक कम्पन होना ।

जैसे – इ, ई, ए, ऐ

(ii) मध्य स्वर – उच्चारण करने पर जीभ के मध्य भाग में कम्पन – अ

(iii) पश्च स्वर – उच्चारण करने पर जीभ के पिछले भाग में अधिक कम्पन ।

जैसे – आ, उ, ऊ, ओ, औ , ऑ

पहचान :– निम्न सारणी के माध्यम से अग्र, पश्च, मध्यम भाग को जाने

अ – मध्य
इ ई ए ऐ – अग्र
आ उ ऊ ओ औ – पश्च

(4) होठों की गोलाई के आधार पर – 2 प्रकार है ।

(i) वृत्ताकार – उच्चारण करने पर होठों का आकार गोल हो जाना।

जैसे :– उ, ऊ ओ, औ

(ii) अवृत्ताकार – उच्चारण करने पर होठों का आकार गोल न होकर ऊपर–नीचे फैलना।

जैसे – अ, आ, इ, ई ए, ऐ

(5) मुखाकृति के आधार पर – 04 प्रकार है।

(i) संवृत स्वर – उच्चारण करने पर मुँह का कम खुलना। जैसे – इ, ई, उ, ऊ

(ii) अर्द्ध संवृत स्वर – उच्चारण करने पर मुँह का संवृत से थोडा ज्यादा खुलना – ए, ओ

(iii) विवृत – उच्चारण करने पर मुख का सबसे ज्यादा/पूरा खुलना। जैसे – आ

(iv) अर्द्धविवृत – उच्चारण करने पर मुँह का विवृत से थोडा कम खुलना।
जैसे – अ, ऐ, औ, ऑ

व्यंजन वर्ण

स्वर की सहायता से बोले जाने वाले वर्ण व्यंजन कहलाते है।

हिन्दी वर्णमाला में कुल 35 मूल (33 + 2 उत्क्षिप्त) व्यंजन ध्वनियाँ होती है ।

जिनको तीन भागों में बाँटा गया है ।

(i) स्पर्श व्यंजन – (27) (मूल 25 + 2 उत्क्षिप्त)

(ii) अंतः स्थ व्यंजन – (04)

(iii) ऊष्म व्यंजन – (04)

(i) स्पर्श व्यंजन

जब किसी व्यंजन का उच्चारण करने पर श्वास वायु हमारे मुख के किसी अंग को स्पर्श करते मुख से बाहर निकलती है वह स्पर्श व्यंजन कहलाते है ।

स्पर्श व्यंजन को 5 भागों में बाँटा गया है –

(अ) 'क' वर्ग – क् ख् ग् घ् ङ्.

(ब) 'च' वर्ग – च् छ् ज् झ् ञ्

(स) 'ट' वर्ग – ट् ठ् ड् ढ् ण्

(द) 'त' वर्ग – त् थ् द् ध् न्

(य) 'प' वर्ग – प् फ् ब् भ् म्

(ii) अंतः स्थ व्यंजन

जब किसी व्यंजन का उच्चारण करने पर सर्वप्रथम हमारे मुख के अन्दर स्थित स्वर तंत्रियो में कम्पन होता है, व उसके बाद श्वास वायु मुख में बाहर निकलती है तो वह अन्तःस्थ व्यंजन कहलाती है ।

कुल अन्तः स्थ व्यंजन – 4 है ।

जैसे :– य् व् र् ल्

(iii) ऊष्म व्यंजन

जब किसी व्यंजन का उच्चारण करने पर श्वास वायु मुख से बाहर निकलते समय हल्की गर्म हो जाती है, तो वह ऊष्म व्यंजन कहलाता है।

कुल ऊष्म व्यंजन – 4 है।

जैसे – श, स, ष, ह

संयुक्त व्यंजन – इसी श्रेणी मे 4 व्यंजन शामिल किये जाते है ।

क्ष – ष् + अ

त्र – त् + र + अ

ज्ञ – ज् + ञ्+ अ

श्र – श् + र् + अ

व्यंजनों का वर्गीकरण

व्यंजनों का वर्गीकरण – मुख्यतः 2 प्रकार का है ।

(1) उच्चारण स्थान के आधार पर

(2) प्रयत्न के आधार पर

(1) उच्चारण स्थान के आधार पर –

स्वर – युक्त व्यंजन व उनका वर्गीकरण–

(अ) उच्चारण स्थान के आधार पर –

उच्चारण स्थान	नाम ध्वनि	वर्ग	व्यंजन	स्वर
कंठ	कंठ्य	क वर्ग	क ख ग घ ङ ह	अ आ
तलु	तालव्य	च वर्ग	च छ ज झ ञ य श	इ ई
मूर्द्धा	मूर्द्धन्य	ट वर्ग	ट ठ ड ण ड़ ढ़ ष र	ऋ
दाँत	दन्त्य	त वर्ग	त थ द ध न ल स	
ओष्ठ	ओष्ठ्य	प वर्ग	प फ ब भ म	उ ऊ
कंठ व तालु	कंठ्य–तालव्य			ए ऐ
दाँत व ओष्ट	दन्तोष्ठ्य		व	
कंठ व ओष्ठ	कंठोष्ठ्य			ओ औ
नासिक्य			ङ्., ञ् ण् न् म्	

2) प्रयत्न के आधार पर व्यंजनों का वर्गीकरण

मुख्यतः 3 भागों में बाँटा गया है –

(i) कंपन के आधार पर

(ii) श्वास वायु के आधार पर

(iii) उच्चारण के आधार पर

(i). कम्पन्न के आधार पर व्यंजन का वर्गीकरण

a) **अघोष :–** वे ध्वनियाँ जिनका उच्चारण करते समय स्वरतंत्रियो में कम्पन्न नहीं होता है अघोष कहलाते है। इसमें वर्ग का पहला,दुसरा वर्ण तथा श, स, ष आते है।

b) **घोष/सघोष :–** वे ध्वनियाँ जिनका उच्चारण करते समय स्वर तंत्रियों मे कम्पन्न होता है घोष/सघोष कहलाते है

इसमे वर्ग का तीसरा, चौथा, पाँचवा वर्ण तथा य. र, ल, व, ह और सभी स्वर आते है।

(ii). श्वास वायु के आधार पर व्यंजन का वर्गीकरण

a) अल्प प्राण :– ऐसे वर्ण जिनका उच्चारण करते समय कम वायु बहार निकलती हो, अल्प प्राण कहलाते हैं।

b) महाप्राण :– ऐसे वर्ण जिनका उच्चारण करते समय अधिक वायु की आवश्यकता होती है, महाप्राण कहलाता है।
इसमे दुसरा, चौथा वर्ण तथा श,स,ब,ह आते है।

(iii).उच्चारण के आधार पर –

इस आधार पर व्यंजन 8 प्रकार के होते है ।

a. स्पर्शी व्यंजन (16) क, ख, ग, घ, ट, ठ, ड, ढ, त, थ, द, ध, प, फ, ब, भ
b. स्पर्श संघर्शी व्यंजन (4) – च, छ, ज, झ
c. संघर्षी व्यंजन (4) – ष, श, स, ह
d. नासिक व्यंजन (5) – ङ, ञ, ण, न, म
e. उत्क्षिप्त व्यंजन (2) – ड, ढ
f. प्रकंपित व्यंजन (1) – र
g. पार्श्विक व्यंजन (1) – ल
h. संघर्षहीन व्यंजन (2) – य, व

परीक्षा की दृष्टि से महत्वपूर्ण तथ्य (''वर्ण विचार'' से संबंधित)

- दीर्घ स्वर को संयुक्त स्वर के नाम से भी जाना जाता है क्योंकि दीर्घ स्वरों की रचना प्राय दोनों स्वरों के मिलने से होती है।
- सात दीर्घ स्वरों को भी दो भागों समानाक्षर स्वर, संधि स्वर के रूप में विभाजित किया जाता है।

	समानाक्षर स्वर	संधि स्वर
(i)	आ – अ + अ	ए – अ + इ
(ii)	ई – इ + इ	ऐ – अ – ए
(iii)	ऊ – उ + उ	औ – अ + ओ

- प्लुत स्वर वर्गीकरण का सर्वप्रथम साक्ष्य पाणिनि की अष्टाध्यायी रचना में मिलता है।
- हिन्दी वर्णमाला में कुछ व्यंजन शब्दों के नीचे नुक्ता (बिन्दु) का प्रयोग किया जाता है, जिन्हे आगत/गृहीत व्यंजन कहा जाता है।
- आगत व्यंजनों की कुल संख्या 05 होती है।

क़ – क़रीब
ख़ – ख़ाना
ग़ – ग़म
ज़ – ज़रा
फ़ – फ़न, फ़ाइल (अंग्रेजी)

अंग्रेजी से गृहीत स्वर.
ऑ (é)
जैसे – कॉलेज, डॉक्टर

- हिन्दी भाषा में आगत व्यंजनो का आगमन अरबी/फारसी, अग्रेजी भाषा से हुआ है।
- हिन्दी भाषा में नुक्ता व्यंजन की शुरूआत का श्रेय हिन्दी विद्वान ''विप्रसाद सितारे हिंद'' को जाता है।
- काकल वर्ण के अन्तर्गत, (:) विसर्ग को शामिल किया जाता है।
- वर्त्स वर्णो में न, स, ल को शामिल किया जाता है।
- इसकी कुल संख्या चार होती है।
(1) जिह्वा (2) अधरोष्ठ (नीचे का होंठ)
(3) स्वर तंत्रियाँ (4) कोमल तालु
- तालु उच्चारण स्थान में आनें वाले वर्णो को कोमल तालव्य व कठोर तालव्य के रूप में दो भागो में विभाजित किया गया है।
- हिन्दी वर्णमाला में अं (अनुस्वार), अः (विसर्ग) को अयोगवाह वर्ण कहा जाता है। क्योंकि इन वर्णों को न तो स्वरों में जोड़ा जाता है व न ही व्यंजनों में अतः अयोगवाही वर्ण कहलाते है।
- हल् चिह्न (्) व्यंजन के स्वर रहित होनें का परिचायक है । स्वर रहित व्यंजन के साथ हल् का चिह्न लगाया जाता है या फिर खड़ी पाई वाले व्यंजन चिह्नो की खड़ी पाई हटा दी जाती है। उसके अर्द्धरूप का प्रयोग किया जाता है।
जैसे– विद्‌या, पाठ्‌य, अपराह्‌न, पट्‌टा आदि।

1. नांद या संवार वर्ण – सभी घोष वर्णों को ही कहा जाता है।
2. विवार या श्वास वर्ण – सभी अघोष वर्णों को ही कहा जाता है।
3. स्पृष्ठ वर्ण – सभी स्पर्श व्यंजन वर्णों को ही कहा जाता है।
4. ईशत्स्पृष्ट वर्ण – अन्तस्थ व्यंजन (य,र,ल,व) वर्णों को ही कहा जाता है।
5. ईशद्‌विवृत वर्ण – उष्म व्यंजन (ष, श, स, ह)
6. रक्त वर्ण –प्रत्येक वर्ग का पाँचवा वर्ण
7. सोष्म व्यंजन वर्ण – प्रत्येक वर्ग का दूसरा व चौथा वर्ण

नोट – हिन्दी वर्णमाला में मूल रूप से 11 स्वर व 33 व्यंजन सहित कुल 44 वर्ण होते है।

हिन्दी वर्णमाला की वर्तमान में अपवादित स्थिति को सारणी के माध्यम से समझें।

स्वर	व्यंजन	कुल
स्वर 11	व्यंजन 33	44
–	ड़, ढ़ + (2) (उत्क्षिप्त व्यंजन)	46
–	अं, अः + (2) (अयोगवाह)	48
–	क्ष, त्र, ज्ञ, श्र + (4) संयुक्त व्यंजन	52
	क़ ख़ ग़ ज़ फ़ + 5 गृहीत व्यंजन	57

नोट – सर्वमान्य मत हिन्दी वर्णमाला में कुल 44 वर्ण होते हैं।

उत्क्षिप्त वर्ण

जिन ध्वनियों के उच्चारण में जिह्वा मूर्ध्दा को स्पर्श कर तुरन्त नीचे गिरती है, उन्हे उत्क्षिप्त वर्ण कहते हैं।

जैसे – ड. ढ.

नियम – 1. यदि शब्द की शुरूआत उत्क्षिप्त वर्णों से हो तो लिखते समय इनके नीचे बिंदु नहीं आता है ।

जैसे – डमरू, ढोलक, डलिया, ढक्कन, डाली

नियम – 2. यदि शब्द के अन्तर्गत इनसे पहले आधा वर्ण आता है तो भी लिखते समय इनके नीचे बिंदु नहीं आता है।

जैसे – पण्डित, बुड्ढा, अड्डा, खण्ड, मण्डल आदि ।

- उपर्युक्त दोनों नियमों के अलावा प्रत्येक स्थिति में इनके नीचे बिन्दु आता है।
  जैसे – पढ.ाई, लड.ाई, सड़क, पकड़ना, ढूँढना आदि।

रकार/रेफ या र संबंधित नियम

नियम 1. – यदि र् के बाद व्यंजन वर्ण आए तो र् को उसी व्यंजन वर्ण के उपर लिखते हैं अर्थात् जिस व्यंजन वर्ण से पहले र् का उच्चारण किया जाता है, र को उसी व्यंजन वर्ण के उपर लिखा जाता है।

जैसे – कर्म, धर्म, वर्ण, दर्शक, स्वर्ग, अर्थात्, पुनर्जन्म, पुनर्निमाण, आशीर्वाद।

नियम 2. – यदि र् से पहले व्यंजन वर्ण आए तो र् को उसी व्यंजन वर्ण के मध्यय में लिखा जाता है।

जैसे – प्रकाश, प्रभात, प्रेम, क्रम, भ्रम, भ्रष्ट, भ्राता

Toppersnotes
Unleash the topper in you

2
CHAPTER

विलोम – शब्द

किसी शब्द का विपरीत या उल्टा अर्थ देने वाले शब्दों को विलोम शब्द कहते हैं।
जैसे – (अमृत – विष), (दिन – रात)

(अ, आ) –

शब्द	विलोम
अमृत	विष
अन्धकार	प्रकाश
अनुराग	विराग
आगामी	गत
अनुज	अग्रज
अधिक	न्यून
अपेक्षा	उपेक्षा
आहार	निराहार
आमिष	निरामिष
आजादी	गुलामी
आर्द्र	शुष्क
अनिवार्य	वैकल्पिक
अगम	सुगम
आकाश	पाताल
अनुग्रह	विग्रह
आश्रित	निराश्रित
आदान	प्रदान
आयात	निर्यात
आग्रही	दुराग्रही
आदर्श	अनादर्श
अक्सर	कभीकभार
अनुलोम	प्रतिलोम / विलोम
आगामी	विगत
अतल	वितल
आधार	निराधार
अंतर्मुखी	बहिर्मुखी
आभ्यन्तर	बाह्म
आदत्त	प्रदत्त
अन्तरंग	बहिरंग
अनाहूत	आहूत
अत्यधिक	अत्यल्प

शब्द	विलोम
अथ	इति
अल्पायु	दीर्घायु
आदि	अंत
आकर्षण	विकर्षण
अभिज्ञ	अनभिज्ञ
अनुकूल	प्रतिकूल
अल्प	अधिक
अमृत	विष
अभिमान	नम्रता
आशा	निराशा
अपमान	सम्मान
अकाल	सुकाल
आरंभ	अंत
आदर	अनादर
अनुपस्थित	उपस्थित
आदि	अनादि
अस्त	उदय
अनुरक्ति	विरक्ति
आकुंचन	प्रसारण
आच्छादित	अनाच्छादित
आगम	लोप
अनेक	एक
आशा	निराशा
आतुर	अनातुर
अपना	पराया
अवनति	उन्नति
आरोह	अवरोह
अघ	अनघ
अवर	प्रवर
अर्पित	गृहीत

शब्द	विलोम
अंगीकार	अस्वीकार
अल्पसंख्यक	बहुसंख्यक
आधुनिक	प्राचीन
अधुनातन	पुरातन
आकाश	पाताल
आकीर्ण	विकीर्ण
आसक्त	अनासक्त
अतुकान्त	तुकान्त
अधः	उपरि
अधम	उत्तम
अज्ञ	विज्ञ

अनैक्य	ऐक्य
आवश्यक	अनावश्यक
आवृत	अनावृत
अकाम	सुकाम
अर्पण	ग्रहण
अति	अल्प
अधिकारी	अनाधिकारी
अग्र	पश्च
अन्तर्द्वन्द	बहिर्द्वन्द

अर्थी	प्रत्यर्थी

(इ, ई) –

शब्द	विलोम
इच्छा	अनिच्छा
इच्छित	अनिच्छित

शब्द	विलोम
इष्ट	अनिष्ट
इसका	उसका

शब्द	विलोम
इहलोक	परलोक
इकट्ठा	अलग

(उ, ऊ,) –

शब्द	विलोम
उदात्त	अनुदात्त
उर्ध्व	निम्न
उधार	नकद
उपाय	निरुपाय

शब्द	विलोम
उन्मुख	विमुख
ऊपर	नीचे
उद्घाटन	समापन
उत्तरायण	दक्षिणायन

शब्द	विलोम
उपमा	अनुपमा
उपयोग	दुरूपयोग
उग्र	सौम्य
उद्यम	निरुद्यम

Unleash the topper in you

उत्तम	अधम	उत्थान	पतन	उद्यमी	आलसी
उपसर्ग	प्रत्यय	उत्तर	दक्षिण	उच्च	निम्न
ऊँच	नीच	उपभुक्त	अनुपभुक्त	उदयाचल	अस्ताचल
उत्साह	निरुत्साह	उर्वर	ऊसर		
उद्धत	विनीत	उत्कृष्ट	निकृष्ट		

(ए, ऐ) –

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
एड़ी	चोटी	एकल	बहुल
ऐतिहासिक	अनैतिहासिक	एकत्र	विकर्ण
एकाग्र	चंचल	ऐश्वर्य	अनैश्वर्य

(ओ, औ) –

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
ओजस्वी	निस्तेज	औपन्यासिक	अनौपन्यासिक

(क) –

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
कनीय	वरीय	कुख्यात	विख्यात	कनिष्ठ	ज्येष्ठ
कठिन	सरल	क्रय	विक्रय	कपूत	सपूत
कुकृति	सुकृत्य	कीर्ति	अपकीर्ति	कुसुम	वज्र
कदाचार	सदाचार	करुण	निष्ठुर	कर्मण्य	अकर्मण्य
कसूरवार	बेकसूर	कृतज्ञ	कृतघ्न	कठोर	कोमल
क्रिया	प्रतिक्रिया	क्रुद्ध	शान्त	कुरूप	सुरूप
कड़वा	मीठा	कर्म	निष्कर्म	कायर	निडर
कृष्ण	शुक्ल	कपटी	निष्कपट	कोप	कृपा
कलंक	निष्कलंक	कर्कश	सुशील		

(ख) –

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
खिलना	मुरझाना	खंडन	मंडन	खीझना	रीझना
खेद	प्रसन्नता	खरा	खोटा	खगोल	भूगोल

(ग) –

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
गोचर	अगोचर	गीला	सूखा	गृहीत	त्यक्त
गद्य	पद्य	गुण	दोष	ग्राह्य	त्याज्य
गणतन्त्र	राजतन्त्र	गुप्त	प्रकट	गरल	सुधा
गर्मी	सर्दी	गृहस्थ	सन्यासी	गत	आगत
गहरा	छिछला	गमन	आगमन	गरीब	अमीर

(घ) –

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
घर	बाहर	घात	प्रतिघात	घरेलू	बाहरी
घृणा	प्रेम	घन	तरल		

(च, छ)–

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
चर	अचर	चढाव	उतार	छाँव	धूप
चोर	साधु	चतुर	मूढ़ / मूर्ख	छूत	अछूत
चल	अचल	चेतन	अचेतन		
चंचल	स्थिर	छल	निश्छल		

(ज, झ) –

शब्द	विलोम
जीवन	मरण
जंगम	स्थावर
जय	पराजय
जागरण	निद्रा
जल	स्थल

शब्द	विलोम
ज्योति	तम
जीवित	मृत
ज्वार	भाटा
ज्योतिर्मय	तमोमय
जातीय	विजातीय

शब्द	विलोम
जोड़	घटाव
जड़	चेतन
जन्म	मृत्यु
जागृति	सुषुप्ति
जल्द	देर

(त, थ) –

शब्द	विलोम
ताप	शीत
तम	आलोक
तुच्छ	महान
तामसिक	सात्त्विक
तरल	ठोस

शब्द	विलोम
थोड़ा	बहुत
तीव्र	मन्द
तिमिर	प्रकाश
तुकान्त	अतुकान्त
थोक	फुटकर, खुदरा

शब्द	विलोम
तरुण	वृद्ध
तृष्णा	वितृष्णा
तारीफ	शिकायत
थलचर	जलचर, नभचर
तृषा	तृप्ति

(द) –

शब्द	विलोम
दिन	रात्रि
दीर्घकाय	लघुकाय
दुर्बल	सबल
दाता	याचक
दूषित	स्वच्छ
दुराचारी	सदाचारी

शब्द	विलोम
देव	दानव
दुष्ट	सज्जन
दोषी	निर्दोषी
दुरुप्रयोग	सदुप्रयोग
दास	स्वामी

शब्द	विलोम
दयालु	निर्दय
दानी	कंजूस
दुर्जन	सज्जन
दुर्दान्त	शांत
दुर्गन्ध	सुगन्ध

(ध) –

शब्द	विलोम
धनी	निर्धन
धर्म	अधर्म
धर्मात्मा	दुरात्मा

शब्द	विलोम
धूप	छाँव
धरा	गगन
धृष्ट	विनीत

शब्द	विलोम
ध्वंस	निर्माण
धीर	अधीर

(न) –

शब्द	विलोम
नूतन	पुरातन
निर्माण	विनाश
निरक्षर	साक्षर
निन्दा	स्तुति
नर	नारी
निषिद्ध	विहित
नकारात्मक	सकारात्मक
निराकार	साकार
नमकहराम	नमकहलाल

शब्द	विलोम
निर्मल	मलिन
निर्लज्ज	सलज्ज
नगर	ग्राम
निर्दोष	सदोष
निरर्थक	सार्थक
नश्वर	शाश्वत
निडर	कायर
नरक	स्वर्ग
निश्चेष्ट	सचेष्ट

शब्द	विलोम
नख	शिख
निद्रा	जागरण
निश्छल	छली
निषेध	विधि
न्यून	अधिक
निरामिष	सामिष
नीरस	सरस
निर्जीव	सजीव

(प, फ) –

शब्द	विलोम
पतिव्रता	कुलटा
प्रेम	घृणा
परकीय	स्वकीय
प्राचीन	नवीन
फूट	मेल
फल	निष्फल

शब्द	विलोम
प्रत्यक्ष	परोक्ष
परार्थ	स्वार्थ
पण्डित	मुर्ख
प्रमुख	सामान्य
प्रसाद	विषाद
परमार्थ	स्वार्थ

शब्द	विलोम
प्रशंसा	निन्दा
पुरस्कार	दण्ड
परमार्थ	स्वार्थ
प्रधान	गौण
पानी	आग
पूर्ववत	नूतनवत

पठित	अपठित		पतन	उत्थान		पुरातन	नवीन
प्रतिकूल	अनुकूल		प्रश्न	उत्तर		पतनोन्मुख	विकासोन्मुख
पाप	पुण्य		परतंत्र	स्वतंत्र		प्राची	प्रतीची
पूर्ववर्ती	परवर्ती		परिश्रम	विश्राम		पक्ष	विपक्ष
प्रवृत्ति	निवृत्ति		पूर्णिमा	अमावस्या		प्रारम्भिक	अन्तिम
पराया	अपना						

(ब, भ) –

शब्द	विलोम		शब्द	विलोम		शब्द	विलोम
भौतिक	आध्यात्मिक		बैर	प्रीति		भय	निर्भय
बन्धन	मुक्ति		भोगी	योगी		भेद	अभेद
बाह्य	अभ्यन्तर		बुराई	भलाई		भला	बुरा
बलवान	बलहीन		भूत	भविष्य		भारी	हल्का
भिखारी	दाता		बहिरंग	अन्तरंग			

(म) –

शब्द	विलोम		शब्द	विलोम		शब्द	विलोम
मानवता	दानवता		मलिन	निर्मल		मुख	पृष्ठ
मानव	दानव		मधुर	कटु		मृत	जीवित
मिलन	विरह		मौखिक	लिखित		महात्मा	दुरात्मा
मुनाफा	नुकसान		मंगल	अमंगल		माता	पिता
मित्र	शत्रु		मूक	वाचाल		मेहनती	आलसी
मिथ्या	सत्य		मितव्यय	अपव्यय		मरण	जीवन
मृदुल	रुक्ष		मालिक	नौकर			

(य, र, ल) –

शब्द	विलोम		शब्द	विलोम		शब्द	विलोम
यश	अपयश		रक्षक	भक्षक		रंगीन	बेरंग
योगी	भोगी		राग	द्वेष		लघु	गुरु (दीर्घ)
राजतन्त्र	जनतन्त्र		रिक्त	पूर्ण		लिप्त	अलिप्त
रागी	विरागी		राजा	रंक		लायक	नालायक
लिखित	अलिखित		योग	वियोग		रत	विरत
रूपवान	कुरूप		यथार्थ	कल्पित		लाभ	हानि
रुग्ण	स्वस्थ		लौकिक	अलौकिक		लेन	देन

(व) –

शब्द	विलोम		शब्द	विलोम		शब्द	विलोम
विधवा	सधवा		थ्वपद	आपद		विरोध	समर्थन
वसंत	पतझड.		वृद्धि	ह्रास		विषम	सम
विशुद्ध	दूषित / अशुद्ध		विजय	पराजय		विवाद	निर्विवाद
बहिष्कार	स्वीकार		वैतनिक	अवैतनिक		व्यस्त	खाली
वक्र	सरल, ऋजु, सीधा		वीर	कायर		विपत्ति	सम्पत्ति
विस्तार	संक्षेप		वादी	प्रतिवादी		व्यास	समास
थ्वनीत	धृष्ट		विरत	निरत		विसर्जन	सर्जन
विस्तृत	संक्षिप्त		विषाद	आहद		विशालकाय	क्षीणकाय
विशिष्ट	सामान्य		विकर्ष	आकर्ष		वृहत	लघु
विधि	निषेध		विकीर्ण	संकीर्ण		व्यवहारिक	अव्यावहारिक
विपन्न	सम्पन्न		विख्यात	कुख्यात		विश्लेषण	संश्लेषण
वन	मरु		वियोग	संयोग			

(स) –

शब्द	विलोम		शब्द	विलोम		शब्द	विलोम
सौभाग्य	दुर्भाग्य		सुमति	कुमति		सक्रिय	निष्क्रिय

साधु	असाधु
सुपुत्र	कुपुत्र
संक्षेप	विस्तार
सफल	विफल
स्वजाति	विजाति
सार्थक	निरर्थक
सुकर्म	कुकर्म
सहयोगी	प्रतियोगी
स्तुति	निंदा
सुबह	शाम
सजल	निर्जल
सम्मुख	विमुख
सकर्म	निष्कर्म
सगुण	निर्गुण
स्वधर्म	विधर्म
संघटन	विघटन
सत्कर्म	दुष्कर्म

सुर	असुर
सरस	नीरस
सुगंध	दुर्गन्ध
सगुण	निर्गुण
सफल	असफल
संतोष	असंतोष
सशंक	निश्शंक
संन्यासी	गृहस्थ
समष्टि	व्यष्टि
समूल	निर्मल
सुमति	कुमति
सदाशय	दुराशय
अल्पायु	चिरायु
स्मरण	विस्मरण
स्वदेशी	परदेशी
सबल	निर्बल

सज्जन	दुर्जन
साक्षर	निरक्षर
सावधान	असावधान
संधि	विच्छेद / विग्रह
समाज	व्यक्ति
स्वकीया	परकीया
सक्षम	अक्षम
सुलभ	दुर्लभ
सरल	कठिन
स्वदेश	विदेश
सन्तोष	असन्तोष
स्थूल	सूक्ष्म
स्थिर	चंचल
संगत	असंगत
सादर	निरादर
सापेक्ष	निरपेक्ष

(श, ह, क्ष, ज्ञ)

शब्द	विलोम
शुष्क	आर्द्र
शुक्ल	कृष्ण
ह्रस्व	दीर्घ
शुभ	अशुभ
शकुन	अपशकुन
शासक	शासित

शब्द	विलोम
हँसना	रोना
क्षर	अक्षर
शोषक	पोषक
शान्ति	क्रान्ति
श्रीगणेश	इतिश्री
हास	रुदन

शब्द	विलोम
हार	जीत
शयन	जागरण
क्षणिक	शाश्वत
हिंसा	अहिंसा
क्षुद्र	महत

शब्द	विलोम	शब्द	विलोम
अंतरंग	बहि रंग	श्लाघा	निंदा
अधित्यका	उपत्यका	सूक्ष्म	स्थूल
अनंत	अंत	अतिवृष्टि	अनावृष्टि
अनुराग	विराग	अज्ञ	विज्ञ / प्रज्ञ / सर्वज्ञ
अक्षत	क्षत	अद्यतन	पुरातन
अनुक्रिया	प्रतिक्रिया	अनुरक्त	विरक्त
अद्य	अनद्य	अनुराग	विराग
अभ्यतर	बाह्य	अभिमुख	प्रतिमुख
आकुंचन	प्रसारण	अस्तेय	स्तेय
ईषत्	प्रचुर	आद्रत	अनाद्रत
उपमेय	उपमान	ईप्सित	अनीप्सित
ऋत	अनृत	ईर्ष्या	प्रेम
ऋजु	वक्र	उग्र	सौम्य
आस्तिक	नास्तिक	उन्मूलन	स्थापन / रोपण
कृत्रिम	प्राकृतिक	कटु	मधुर
कुटिल	उदार	कृतज्ञ	कृतघ्न
जंगम	स्थावर	गरिमा	लघिमा

Toppersnotes
Unleash the topper in you

टूट पूंजिया	धन्नासेठ	ग्रस्त	मुक्त
तामसिक	सात्विक	तृष्णा	वितृष्णा
द्रुत	मंथर	प्रवेश	निर्गम/निकास
निंद्रा	जागरण	मितव्यय	अपव्यय
निषिद्ध	विहित	राग	द्वेष
निंदा	प्रशंसा	विरल	सघन
निरुजता	सरुजता	व्यष्टि	समष्टि
नमक हराम	नमक हलाल	सदाचारी	दुराचारी
विख्यात	कुख्यात	सुरति	विरति
विस्तीर्ण	संकीर्ण	क्षणिक	शाश्वत
वरदान	अभिशाप		
शुक्ल	कृष्ण		

22 CHAPTER

Noun

A noun is a name of person, place, thing, idea, action, a quantity.

1. Types –

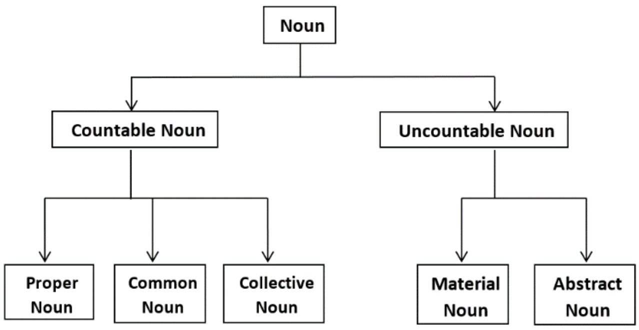

(1) Proper noun – Denotes a particular person, place or thing.
Ex. Akshay, Pooja, Ankita etc.

(2) Common noun – Is the name given in common to every person or thing of the same class or kind.
Ex: Boy, girl, company etc.

(3) Collective noun – Denotes a group or collective of similar individuals considered as one complete whole.
Ex: Class, Staff, Army, Parliament etc.

(4) Material noun – Denotes matter or substance of which a thing is made of.
Ex: Iron, gold, silver etc.

(5) Abstract noun – Is usually the name of a quality, action or state considered apart from the object to which it belongs.
Ex: Virtue, darkness, kindness, happiness etc.

2. Some other types according to number -

(1) **Singular noun** – Boy, girl, man, car etc.

(2) **Plural noun** – Boys, girls, men, cars etc.

(3) **Countable nouns** – Are the names of objects, people etc. that we can count.
Ex: Book, doctor, horse, apple etc.

(4) **Uncountable nouns** – Are the names of things which we can't count.
They mainly denotes substance and abstract things.
Ex: Milk, Oil, Sugar, Gold, Honesty etc.

3. Noun and the Numbers :-

Singular noun ending	Plural noun ending	Singular	Plural
-s, -ss, -ch, -x, -zz	-es	Man	Men
Ex. Focus	Focuses	Woman	Women
Princess	Princesses	Mouse	Mice
Box	Boxes	Fish	Fish or Fishes
Buzz	Buzzes	A sheep	Ten sheep
-o	-s or –es	Child	Children
Ex. Hero	Heroes	Ox	Oxen

Piano	Pianos	A woman doctor	Several women doctors
Potato	Potatoes	A bookcase	Two bookcase
Consonant +y	-ies	An Indian take away	Two Indian take away
Baby	Babies	A passer by	Several passers by
Hobby	Hobbies	Glassful	Glassfuls
Vowel +y	-s	Spoonful	Spoonfuls
Key	keys		
Ray	rays		
-f	-s or –ves		
Ex. Hoof	Hoofs or hooves		
Dwarf	Dwarfs or dwarves		
Thief	Thieves		
Roof	Roofs		
-fe	-ves		
Knife	Knives		
Life	Lives		
On	a	**Ex.**	
Phenomenon Criterion	Phenomena Criteria	Since I had never seen a falling star, seeing one on my honeymoon was real phenomena. (Use Phenomenon in place of Phenomena)	
		As we all know sunrise is a great phenomena. (×) a great Phenomenon (✓)	

(a) Is (Singular) – es (Plural) -

Singular (is)	**Plural (es)**
Analysis	Analyses
Diagnosis	Diagnoses
Casis	Cases
Thesis	Theses
Crisis	Crises

(b) US (singular) – I (plural)

Cactus - Cacti
Focus - Foci
Fungus - Fungi
Nucleus - Nuclei
Syllabus - Syllabi, Syllabuses
Radius - Radii

4. Some nouns that have different meaning in singular and plural form

Singular	**Plural**
Force (physics term)	Forces (soldier)
Air	Airs (false way of behaving)

Return	Returns (calculation of income)
Iron	Irons (shackles)
Sand	Sands (desert)
Abuse	Abuses (evil words)
Good	Goods (moveable property)
Water	Waters (sea)
Work	Works (literary pieces)
Fruit	Fruits (result)
Wit	Wits (intelligent)

5. Noun and the Gender -

Gender - The Noun which denotes male of female sex is called gender.

Such as – Horse, Dog, Ox, Father } To denote male sex

Mare, Bitch, Cow, Mother } To denote female sex

Gender

- Masculine Gender (पुल्लिंग)
- Feminine Gender (स्त्रीलिंग)
- Common Gender (उभयलिंग)
- Masculine Gender (नपुंसकलिंग)

(1) **Masculine Gender -** The noun which denotes male sex is called Masculine Gender.
Ex. Boy, Father, Brother, etc.

(2) **Feminine Gender -** The noun which denotes female sex is called Feminine Gender.
Ex. Girl, Mother, sister etc.

(3) **Common Gender -** The noun which does not specify the sex but only indicate a living thing is called Common Gender.
Ex. Baby, Student, Professor etc.

(4) **Neuter Gender -** The noun which denotes a non-living object or thing with life is called Neuter Gender.
Ex. Tree, inkpot, pen, table etc.

Toppersnotes
Unleash the topper in you

Masculine words	Feminine words	Masculine words	Feminine words
Nephew	Niece	Husband	Wife
Man	Woman	uncle	Aunt
Brother	Daughter	Sir	Madam
Bachelor	Spinster	Bridegroom	Bride
Bull	Cow	Author	Authoress
Cock	Hen	Count	Countess
Grand-Father	Grand-Mother	Land-lord	Land-Lady
Brother-in-law	Sister-in-law	Son-in-law	Daughter-in-law
Director	Directress	Votary	Votaress
Boyfriend	Girlfriend	Chairman	Chair woman

6. Some important Rules of Gender

Rule - 1

There are some nouns which are used to denote beautify, gracefulness, gentleness etc, In this condition , they are considered as feminine gender and it is used as singular pronoun she, her, hers, herself etc, according to the need.

Like as -

The moon, The Earth, Nature, flattery, Spring, hope, virtue, charity, humility, mercy, faith, peace, ship, river, nation, jealousy, liberty, fame, city, country, car, modesty, train, pride, truth, justice etc.

Ex.

(i) The moon shed her light on the bank. (✓)

The moon shed its light on the bank. (×)

(ii) Spring has her own charms and delights. (✓)

Spring has its own charms and delights. (×)

Rule - 2

If girl/woman/lady/ female, are used before the common gender nouns, then we used singular pronoun of feminine gender she, her, hers, herself according to use.

Like as -

Girl-Friend, Girl-student, Female-child, woman-teacher, woman-doctor, woman-conductor etc.

Ex.

(i) A girl student should not neglect her home. (✓)

A girl student should not neglect his/its home. (×)

(ii) A woman-doctor examines the patient herself. (✓)

A woman-doctor examines the patient himself/itself. (×)

Rule - 3

There are some nouns which are used to denote strength, firmness, energy etc. In this condition, they are considered as masculine gender and it is used as singular pronoun - he, him , his, himself according to the need.

Like as -

The sun, time, death, winter, wind, summer, thunder, Dear, love, war, wine etc.

Ex.

(i) The sun shot his bright rays. (✓)

The sun shot her bright rays. (×)

(ii) Death always knows his victim. (✓)

Death always knows her victim. (×)

Rule - 4

There are some nouns of masculine gender which is also used as an adjective for a woman.

Ex:

(i) Veena is a lover of fine arts.

(ii) She is a master of English.

Rule - 5

Each, every, either, neither etc. words are used as distributive pronoun or adjectives. They are pronouns of common gender, It is generally used singular pronouns - he, him, his, himself of masculine gender. but when female gender it known, the singular pronoun - She, her, hers, herself of feminine gender is used.

Ex.

(i) Every student should do his duty. (✓)

Every student should do its duty. (×)

(ii) Each of us had finished his work. (✓)

Each of us has finished its work. (×)

Rule - 6

Everything, something, anything and nothing are used as indefinite pronouns in sentence, It is called neuter gender pronouns for these, singular pronouns- it, its, itself of neuter gender are used.

Ex.

(i) Everything should be kept in its order. (✓)

Everything should be kept in his order. (×)

Rule - 7

For lower animals and non-living things, we used pronouns (it, its, itself) of neuter gender.

Ex.

(i) He has killed a snake, it is still lying on the road. (✓)

He has killed a snake, he is still lying on the road. (×)

(ii) We cannot write with this pen because its nib is broken. (✓)

We cannot write with this pen because his nib is broken. (×)

Rule - 8

Collective nouns, jury ………… crow etc. words are denoted the sense of group. It is considered as neuter gender - for these, pronouns (it, its, itself) of neuter gender are used.

Ex.

(i) The committee will submit its report within six months. (✓)

The committee will submit their report within six months. (×)

(ii) The team has declared that it will win the match. (✓)

The team has declared that they will win the match. (×)

But the above collective nouns make sense of 'each member' then plural pronoun - they, them, their, theirs, them selves are used for this.

Ex.

(i) The committee have met and they have rejected the proposal. (✓)

The committee have met and it has rejected the proposal. (×)

Rule - 9

There are some nouns that are used as common gender nouns.

Like as -

Advocate, assistant, cousin, clerk, client, criminal, cyclist, dancer, dealer, doctor, novelist, professor, pupil, secretary, singer, worker, writer, teacher, politician, servant, friend, fool, engineer, helper … etc.

They are used as masculine and feminine gender according to the need.

Masculine	Feminine
He is my doctor.	She is my doctor.
He is a teacher.	She is a teacher.

7. Important Rules -

Rule 1 - We always use singular verb with uncountable nouns.

- Plural of these words does not exist.
- Some examples of uncountable nouns are –

Rule 2 – Certain noun exist in plural forms

Machinery	Scenery	Information	Luggage
Advice	Poetry	Evidence	Help
Furniture	Bread	Wood	Fuel
Hair	Crockery	Cash	Money

only. Thus 's' cannot be removed from such nouns.

- They take plural verb form.

Like as -

Scissors	Jeans	Tweezers	Shorts
Spectacles	Remains	Congratulations	Pliers
Binoculars	Pajamas	Pants	

Ex.

(i) Where are my pants ? (Plural)

(ii) Where are the tongs ? (Plural)

Rule 3 – There are some nouns that indicate – length, measure, money, weight or number. When they are preceded by numeral, they remain unchanged in form.

Like as -

Foot, meter, pair, score, dozen, head, year, hundred, thousand, million, billion, trillion.

(1) If there is a number before them, then 'S' will not be used.

Ex.

(i) Three dozens pencils. (✗)

Three dozen pencils. (✓)

(2) If 'of after them than use 'S'.

Ex.

(i) Thousand of people died of cholera last year. (✗)

Thousands of people died of cholera last year. (✓)

(ii) I have seven dozens of shoes. (✗)

I have seven dozen of shoes. (✓)

Rule 4 – Some nouns are singular in meaning, but they are used as plural nouns and always take a plural verb.

Like as -

cattle, gentry, vermin, peasantry, artillery, people, company, police

Ex.

(i) The cattle is grazing in the ground. (✗)

The cattle are grazing in the ground. (✓)

(ii) Police has controlled the situation. (✗)

Police have controlled the situation. (✓)

Rule 5 – Some nouns like – mathematics, physics, dynamics, ethics, linguistics, meta physics, optics, economics, news, polities, mumps, measles, rickets, athletics, mechanics etc. are in plural forms but used as a singular noun.

Ex.

(i) Mathematics is the science of quantity.

(ii) Bad news travels fast.

Rule 6 – If the same noun is repeated after preposition, the noun will be singular.

noun (s) + preposition + noun (s)

Ex.

(i) Town after town were devastated. (✗)

Town after town was devastated. (✓)

(ii) Row upon row of pink marble look beautiful. (✗)

Row upon row of pink marble looks beautiful. (✓)

Rule 7 – If a numeral adjective and a fraction are used with a noun, the noun is used with the numeral and the noun will be in singular.

Ex.

(i) She gives me <u>one</u> (Numeral Adj.) and <u>a half</u> (Fraction) <u>rupee.</u> (Noun) (✗)

(ii) She gave me one rupee and a half. (✓)

(iii) He gave me two and a quarter rupee. (Incorrect) (✗)

He gave me two rupees and a quarter. (✓)

Rule 8 – Don't say "family members / cousin brother or "cousin sister".

Ex.

(i) The members of the family. (✓)

(ii) He or she is my cousin. (✓)

(iii) He is my english teacher. (✓)

Rule 9 - Certain nouns/words are used in colloquial english which is wrong, some of them are following :-

Wrong	Correct
Cousin brother/cousin sister	Cousin
Pick pocketer	Pick pocket
Good name	Name
Big blunder	Blunder (means a big mistake)
Strong breeze	Strong wind
Bad dream	Nightmare
Proudy	Proud
According to me	In my opinion

8. Grammar Rules for Possessive Nouns

Rule 1

Making singular nouns possessive – Add an apostrophe ('s)

Ex.

(i) Kitten's toy, Joe's car, James's book/ James's (Singular noun)

(ii) Women's dresses, sheep's pasture in 'S'. (Plural not ending)

Rule 2

Making plural nouns possessive – Add just an apostrophe to plural nouns that already end in 'S'.

Ex.

(i) The companies' workers went on strike together.

(ii) You need to clean out the house's stalls.

Rule 3

Making hyphenated nouns and compound nouns plural –

Ex.

(i) My mother-in-law's recipe for meatloaf is my husband's favorite.

(ii) The United States post office's stamps are available in rolls or pockets.

Rule 4

(1) Possessives: Joint or separate ownership –

Ex.

(i) The administrative assistant completed Arvind's and Rohit's report.

(ii) We are planning to attend Sam and Teresa's retirement party.
(One party is being held to celebrate both people's retirement, so the party "belongs" to speak to them jointly.)

(2) We use 's with living things –

- Mohit's Car
- Priya's watch
- The bag of Mohan

(3) We don't use 's with –

- Nonliving thing
- Table's leg (X)
- Leg of the Table (✓)

Rule 5

When two nouns are in apposition, the possessive sign ('s) is added to the latter only.

Ex.

(i) I am going to Ram Lal's, my friend's village. (X)
I am going to Ram Lal, my friend's village. (✓)

Rule 6

The double possessive should not be used –

Ex.

(i) Ram's sister's marriage is on 2nd November. (X)
The marriage of Ram's sister on 2nd Nov. (✓)

(ii) The President's brother's wife died yesterday. (X)
The wife of President's brother died yesterday. (✓)

Rule 7

Possessive sign is also used with the following pronouns –

Anyone	Anybody	Nobody
Somebody	No one	Each other
Everyone	Everybody	
One another	Someone	

Ex.

(i) The student should follow the suggestions of their teacher and not somebody else. (X)
The student should follow the suggestions of their teacher and not somebody else's (✓)

Rule 8

When the two nouns are used after one of the possession or ownership is not shown by possessive sign ('s) but it is shown by proposition of –

Ex.

(i) One of my friend's wife was killed in an accident. (X)
The wife or one of my friends was killed in an accident. (✓)

Exercise

1. Though we have reached at the high (A)/ level of progress in the field (B)/ of medicines, many(C)/ million of period of malaria (D).
2. We have visited many (A)/ firms this year but only one of them is (B)/ suitable for our work, which you admire (C)/ is Naman's, Shivam's and Rohan's(D).
3. The employees greeted the (A)/ manager and his husband with charming (B)/ smile so as to try to make (C)/ the condition less vulnerable (D).
4. The economics of the project makes it (A)/ impossible to the experience (B)/ of great opportunities which can achieves the (C)/ world class performance in the reported approach (D).
5. When our beloved teachers and seniors (A)/ came across to me, we caught one (B)/ another hands and talked for (C)/ many hours after a very long time (D).
6. After a complaint was filled (A)/ the police teams was given the photograph (B)/ of the accused from (C)/ the CCTV footage recorded at the hotel (D).
7. This company cannot work properly (A)/ because it never recruits any talented (B)/ sale representative the most (C)/ important piller in making profits in the market (D).
8. My parents stop my brother-in-law (A)/ going out late at night because (B)/ the situations are not so (C)/ much good in this area now-a-days (D).
9. My sister(a)/ has read (b)/ pages after pages of the bible (c)/ No error (d).
10. The manager put forward (a)/ a number of criterions (b)/ for the post (c)/ no error (d).
11. I like (a)/ the poetries (b)/ of Byron and Shelley(c)/ No error (d).
12. The driver showed (a)/ great talent in keeping (b)/ the damaged car under control (c)/ no error (d).
13. When I entered the bedroom (a)/ I saw a snake crawing (b)/ on the ground (c)/ no error (d).
14. It is very difficult (a)/ to chase (b)/ a huge score in the (c)/ fourth inning (d)/ no error (e).
15. It is a big blunder (a)/ but we had (b)/ to ignore it (c).

Answers

1. (d) use millions instead of million
2. (d) use Naman, Shivam and Rohan's instead of 'Naman's, Shivam's and Rohan's.
3. (b) her husband
4. (a) Make
5. (c) another's hands
6. (b) team
7. (c) sales representative
8. (a) use 'brother-in-law's' instead of 'brother-in-law'
9. (c) page after page
10. (b) criteria is plural of 'criterion'
11. (b) poetry (uncountable noun), hence it is singular and it does not have any plural form.
12. (b) Use 'Skill' instead of talent.
13. (c) Use 'Floor' instead of ground.
14. (d) Use 'Innings' instead of inning.
15. (a) Blunder means big mistake. Hence big blunder is superfluous.